13/10/
III

1

Industrial Revolution in U.K.

ग्रेट ब्रिटेन मध्य युग से ही विश्व का एक प्रमुख राष्ट्र रहा है। अठारहवीं शताब्दी के मध्य तक ब्रिटेन मुख्य रूप से कृषि प्रधान देश था। किन्तु 18वीं और 19वीं शताब्दी में इंगलैण्ड के पुराने औद्योगिक ढंग में एक महान परिवर्तन ला दिया। यह इंगलैण्ड में सभी शाखाओं में उत्पन्न हुई। इसी परिवर्तन को औद्योगिक क्रान्ति के नाम से जाना जाता है। औद्योगिक क्रान्ति उस परिवर्तन को कहते हैं जो घरेलू उद्योगों से कारखाने और हाथ के बजाय मशीन के काम के रूप में हुआ। इन सबका सामाजिक जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ा। मनुष्यों के आर्थिक एवं सामाजिक जीवन में महान परिवर्तन हुआ। दस्तकारी के स्थान पर वाष्प यंत्रों द्वारा चालित उत्पादन और यातायात के प्रक्रियाओं में सामान्य रूप से परिवर्तन लाना ही औद्योगिक क्रान्ति थी।

इंगलैण्ड का औद्योगिक क्षेत्र में अग्रणी बनने के कारण :-

अठारहवीं शताब्दी के प्रारम्भ में ब्रिटेन किसी भी मापदंड से यूरोप का सबसे विकसित देश नहीं था। इस शताब्दी के दौरान औद्योगिकरण के प्रयत्न केवल ब्रिटेन में ही नहीं बल्कि सभी देशों में किये गये।

Scanned with CamScanner

परन्तु शताब्दी के अंतिम दशक तक इंगलैण्ड निःसंदेह औद्योगिकरण के क्षेत्र में यूरोप का अग्रणी बन गया। शताब्दी के अंत तक कारखाना व्यवस्था का बड़े पैमाने पर विस्तार होने लगा जो अधिक मात्रा में कच्चे माल की उपलब्धि, मशीनों के प्रयोग तथा शक्ति के नये व उन्नत तरीकों पर आधारित थी। इस दिशा में अभूतपूर्व गति से परिवर्तन हुए जिन्होंने ब्रिटेन को ही नहीं बल्कि आनेवाली शताब्दियों में विश्व की अर्थव्यवस्था को नई दिशा प्रदान की। इन परिवर्तनों को औद्योगिक क्रान्ति के नाम से जाना जाता है।

औद्योगिक क्रान्ति के कारण :-

18 वीं शताब्दी के मध्य तक बहुत से व्यवसायों में हस्त कला का प्रयोग होता था। शिल्पकार अपने हाथों से सुन्दर-सुन्दर चीजें तैयार करते थे। वस्तुतः क्रांति की तैयारी अप्रत्यक्ष रूप से बहुत पहले से ही हो रही थी और उसके अनेक कारण थे; जिसमें निम्नांकित प्रमुख हैं :→

1. भौगोलिक खोज :- 15 वीं और 16 वीं शताब्दियों में अनेक

भौगोलिक खोजें हुईं जिनके फलस्वरूप भारत तथा अमेरिका में यूरोपीय जातियों के व्यापारिक अड्डे स्थापित हुए। धीरे-धीरे वहाँ उपनिवेशों की स्थापना हुई। उपनिवेशों के बाजारों पर यूरोपीय जातियों का प्रभुत्व कायम हो गया। फलतः यूरोपीय वस्तुओं की माँग बढ़ने लगी। इस माँग की पूर्ति के लिए उत्पादन में वृद्धि आवश्यक हो गयी। उत्पादन में वृद्धि हेतु नए-नए तरीके की खोजें हुईं नए-नए तरीकों की खोजें हुईं जिससे औद्योगिक क्रान्ति को और भी ज्यादा प्रोत्साहन मिला।

2. आवश्यक पृष्ठभूमि का अस्तित्व :- किसी भी देश में औद्योगिक क्रान्ति होने के लिए 4 बातें आवश्यक होती हैं -
(a) पूँजी और कुशलता, विस्तृत बाजार क्षेत्र, विकासोन्मुख उद्योग एवं आन्तरिक और राजनैतिक शान्ति।

3. राजनीतिक एवं वित्तीय स्थायित्व :→ (Walpol) की विवेकपूर्ण नीति से इंगलैण्ड को न केवल राजनीतिक शान्ति मिली बल्कि वित्तीय स्थायित्व भी प्राप्त हुआ और इसीलिए अंग्रेज बड़े-बड़े उद्योगों में बड़ी मात्रा में पूँजी लगाने में कभी हिचकिचाए नहीं।

Scanned with CamScanner

4. बाह्य आक्रमणों से मुक्ति :- अपनी विशिष्ट भौगोलिक स्थिति के फलस्वरूप अन्य यूरोपीय देशों की अपेक्षा इंगलैण्ड बाह्य आक्रमण के भय से अधिक सुरक्षित रहा।

5. व्यक्तिगत स्वतंत्रता :→ विदेशों में व्यक्तिगत स्वतन्त्रता के अभाव में औद्योगिक प्रगति नहीं हो सकी, लेकिन इंगलैण्ड में व्यक्तिगत स्वतंत्रता होने से देशवासियों को इच्छानुसार उद्योग-धंधे अपनाने की प्रेरणा मिली।

6. पूँजी का असीमित संचय :- पूँजी की अभाव में औद्योगिकरण नहीं हो सकता। तत्कालिन युग में ब्रिटेन में परिस्थितियाँ पूँजी-संग्रह के पक्ष में थी। ऊन-व्यवसाय तथा निर्यात-व्यापार के फलस्वरूप ब्रिटिश व्यापारियों के पास धन की प्रचुरता रहा था।

Scanned with CamScanner